हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ

(तिथि 22 सितम्बर 2025, समय 1305 (05 मिनट)

सेवा और सुशासन, यानी जनसेवा के लिए शासन के मंत्र पर चलते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार परिवर्तन और प्रगति लाने के लिए अथक प्रयास कर रही है। आज, इस विशेष श्रृंखला - **'सेवा पर्व'** में, हम आपको बता रहे हैं कि कैसे मोदी सरकार ने यूपीआई क्रांति का नेतृत्व किया है और डिजिटल भुगतान को सभी के लिए सहज, सुरक्षित और सुलभ बनाया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत ने तकनीक द्वारा संचालित एक व्यापक परिवर्तन देखा है। इस परिवर्तन के केंद्र में यूपीआई - एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम द्वारा 2016 में लॉन्च किए गए यूपीआई ने कई बैंक खातों को एक ही मोबाइल एप्लिकेशन में एकीकृत करके देश के भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र में क्रांति ला दी है। यह प्रणाली निर्बाध धन हस्तांतरण, व्यापारी भुगतान और पीयर-टू-पीयर लेनदेन को सक्षम बनाती है। इस वर्ष अपने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूपीआई की शक्ति के बारे में बात की।

आज UPI का दायरा उल्लेखनीय है। अगस्त 2025 तक ही UPI के ज़रिए 20 अरब से ज़्यादा लेन-देन हो चुके होंगे। ज़ूस विक्रेता रोहित ने UPI की खूबियों की सराहना करते हुए कहा कि इसने पैसों के लेन-देन को सहज बना दिया है और बैंकों में जाने की ज़रूरत को कम कर दिया है।

भारत की डिजिटल भुगतान क्रांति अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गति पकड़ रही है। वर्तमान में UPI संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ़्रांस और मॉरीशस जैसे देशों में काम कर रहा है। व्यक्तियों और व्यवसायों, दोनों के लिए एक सहज, सुरक्षित और सुलभ प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करके, UPI ने वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और देश को नकदी रहित अर्थव्यवस्था की ओर तेज़ी से बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।अश्विनी कुमार शर्मा,आकाशवाणी समाचार, चंडीगढ़

****

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वस्तु और सेवा कर बदलावों को अगली पीढ़ी का सुधार बताया है, जिससे अर्थव्यवस्था को मजबूती तथा आम लोगों को राहत मिलेगी। राष्ट्र के नाम संबोधन में कल शाम प्रधानमंत्री ने नवरात्र के पहले दिन से लागू हो रहे जीएसटी सुधारों को बचत उत्सव का नाम दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि कर दरों में कटौती से दैनिक उपभोग की वस्तुएं सस्ती होंगी और उपभोग आधारित वृद्धि की गति तेज होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक देश एक कर का सपना साकार हो गया है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्ष में देश के 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आये हैं।

****

जी.एस.टी.की नई दरें आधी रात से लागू हो गई हैं। नई पीढ़ी के जी स टी सुधारों में आम लोगों को राहत देने के लिए उपभोक्ता वस्तुओं की एक विस्तृत श्रृंखला पर दरों में कमी की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर लालकिले की प्राचीर से इन जीएसटी सुधारों की घोषणा की थी। 3 सितंबर को जीएसटी परिषद ने नागरिकों के जीवन को आसान बनाने के लिए कई क्षेत्रों में कर दरों में कटौती की घोषणा की थी। एक रिपोर्ट:

जीएसटी परिषद ने अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को 5, 12, 18 और 28 प्रतिशत की चार-स्तरीय संरचना से सरल बनाकर 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो-स्तरीय संरचना में बदल दिया है। जीएसटी परिषद ने आम आदमी, श्रम-प्रधान उद्योगों, किसानों और कृषि, को ध्यान में रखते हुए ये निर्णय लिया है । नए ढांचे के तहत, उच्च तापमान वाले दूध, छेना, पनीर, पिज्जा ब्रेड और चपाती सहित खाद्य पदार्थों पर कोई कर नहीं लगेगा। ट्रैक्टर, कटाई मशीनरी और खाद बनाने वाली मशीनों पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है, जो कृषि क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार ने 350 सीसी तक के दोपहिया वाहनों पर भी जीएसटी को 28 प्रतिशत से

घटाकर 18 प्रतिशत किया है। छोटी कारें, जिनपर पहले 28 प्रतिशत टैक्स लगता था, उन्हें नए जीएसटी सुधारों के तहत 18 प्रतिशत कर दिया गया है। अश्वनी कुमार शर्मा चंडीगढ़

****

शारदीय नवरात्र आज से आरंभ हो गए हैं। नवरात्र के प्रथम दिन आज देवी के शैलपुत्री स्वरूप की आराधना की जा रही है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नवरात्रि की शुभकामनाएं दी हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज मनसा देवी मंदिर जा कर माँ की पूजा अर्चना की और सब के लिए मंगल कामना की।

****